Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सायं 6:20 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में शुक्रवार
सुबह 6:21 बजे

हल्द्वानी | वर्ष 15 अंक 237 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | गुरूवार, 14 मार्च 2024

उत्तराखंड के लोकपर्व
फूलदेई
की हार्दिक शुभकामनाएं

अब जंगलों में घूमने व पार्टी करने...पेज-4 पर

News कॉर्नर

12.7 ग्राम स्मैक समेत एक दबोचा

हल्द्वानी। नशे का कारोबार थमने नाम ही नहीं ले रहा जहां पुलिस नाशक कारवार को रोकने के लिए हर पेत्रा अपना रही है स्मैक तस्कर तस्कर अपने पैर पसार रहे है काठगोदाम पुलिस ने चेकिंग के दौरान स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसे कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया है। काठगोदाम थाना पुलिस के अनुसार पुलिस रात्रि में चेकिंग कर रही थी चंबल पुल क्रियाशाला के पास के एक युवक संदिग्धावस्था में खड़ा दिखा। जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया । और उसकी तलाशी ली। तस्कर के पास से 12.7 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में तस्कर ने अपना नाम नवीन मौर्य निवासी पार्वती कॉलोनी बिठोरिया काठगोदाम थाना बताया है। तस्कर ने पुलिस को बताया कि वह स्मैक संजू के साथ जाकर सितारगंज से सस्ते दामों पर खरीद कर लाता है ।

सीएम योगी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को लोक सेवा आयोग के अंतर्गत चयनित 39 एसडीएम, 41 पुलिस अधीक्षकों और 16 कोषाधिकारियों व लेखाधिकारियों को नियुक्ति वितरित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेपर लीक मामले पर कहा कि जिन लोगों ने भी परीक्षा की शुचिता में सेंध लगाई है उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। वो कहीं भी हों हम उन्हें ढूंढ निकालेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों का भविष्य बर्बाद कर देंगे। योगी बृहस्पतिवार को लोक सेवा आयोग के अंतर्गत चयनित 39 एसडीएम, 41 पुलिस अधीक्षकों और 16 कोषाधिकारियों व लेखाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

सीएए को लेकर अमित शाह का ममता, स्टालिन, विजयन पर वार

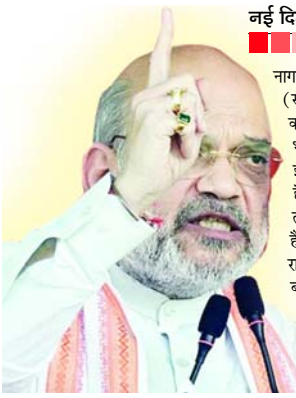

नई दिल्ली | **एजेंसी**

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने से इसके कारण पड़ने वाले असर को भांपते हुए विपक्षी दलों ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु ने साफ कर दिया है कि वे इस कानून को अपने राज्यों में लागू नहीं होने देंगे। बढ़ते विरोध को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अब साफ कह दिया है कि सीएए संविधान के किसी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता है। साथ ही केवल केंद्र सरकार को नागरिकता से संबंधित कानून बनाने और उन्हें लागू करने का अधिकार है। अमित शाह ने एक इंटरव्यू में विपक्षी नेताओं पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि सीएए मोदी सरकार द्वारा लाया गया है। इसे रद्द करना संभव नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद सभी राजनीतिक दल साथ आएंगे और सहयोग करेंगे।

ममता बनर्जी एक शरणार्थी और घुसपैठिए के बीच का अंतर नहीं समझती हैं।

गृह मंत्री शाह ने सवाल करते हुए कहा, क्या आपके पास अधिकार है कि आप इसके लागू होने से इनकार कर सकते हैं? उन्होंने कहा कि यह लोग समझते हैं कि उनके पास अधिकार नहीं है। हमारे संविधान में नागरिकता से संबंधित कानून बनाने का अधिकार केवल संसद को दिया गया है। कानून और उसके लागू करने का अधिकार केंद्र का क्षेत्र है, न कि राज्य का।

जल्द बंगाल में भी भाजपा की सरकार होगी

सीएए नोटिफिकेशन पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं है, जब बंगाल में भाजपा की सरकार होगी और तब हम घुसपैठ रोकेंगे। अगर आप (ममता बनर्जी) राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर इस तरह की राजनीति करेंगे और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते घुसपैठ को बढ़ावा देंगे और शरणार्थियों के भारतीय नागरिकता लेने का विरोध करेंगे तो फिर लोग आपके साथ नहीं रहेंगे।

18,626 पन्ने, 191 दिनों की रिसर्च

एक देश-एक चुनाव पर कोविंद पैनल ने राष्ट्रपति को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली | **एजेंसी**

समिति के एक सदस्य ने नाम न छापने की शर्त पर इस बात की पुष्टि की है कि समिति 2029 में एक साथ चुनाव कराने का सुझाव देगी। साथ ही इससे संबंधित प्रक्रियात्मक और तार्किक मुद्दों पर चर्चा करेगी।

लोकसभा और राज्यों की विधानसभा के सहित विभिन्न निकायों के एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने आज 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर अपनी रिपोर्ट सौंपी। यह रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी गई है।

रामनाथ कोविंद की अगुवाई वाली समिति ने राष्ट्रपति भवन में द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान समित ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी। रिपोर्ट 18,626 पन्नों की है। इसमें पिछले 191 दिनों के हितधारकों, विशेषज्ञों और अनुसंधान कार्य के साथ व्यापक परामर्श का नतीजा शामिल है।

इससे पहले, समिति के एक सदस्य ने नाम न छापने की शर्त पर इस बात की पुष्टि की थी कि समिति 2029 में एक साथ चुनाव कराने का सुझाव देगी। साथ ही इससे संबंधित प्रक्रियात्मक और तार्किक मुद्दों पर चर्चा करेगी।

वोट दिया अब की बार, वोट छु तुम्हर अधिकार

हल्द्वानी | **हमारे संवाददाता**

उत्तराखंड का लोकपर्व फूलदेई परंपरागत तरीके से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर छोटे बच्चे घर-घर में देहली पूजन के लिए जाते हैं। स्वीप नैनीताल के सह समन्वयक गौरीशंकर काण्डपाल नेतृत्व में नवाबी रोड स्थित एक घर में छोटे बच्चों एवं महिलाओं ने फूलदेई पर्व पर मतदाताओं को जागरूक करने का भी संदेश दिया। इस दौरान बच्चों ने फूलदेई छम्मा देई, जो भी दिया वही सही। दैण द्वार, भरि भकार। यँ देई कैं बार बार नमस्कार के साथ मतदान अवश्य करने का संदेश दिया। बच्चों ने कहा वोट दिया अब की बार, वोट छु तुम्हर अधिकार । इस कार्यक्रम में गरिमा तिवारी, बीना बिष्ट, पावनी जोशी, चित्राक्षी , मिटाक्षी, चिन्मय, अवनी तिवारी , सोना बिष्ट आदि उपस्थित रहे। वहीं जिले भर में बच्चों ने इस पर्व को धूमधाम से मनाया। पिछले दिनों शिक्षा निदेशक ने प्रदेश भर के स्कूलों में बोर्ड परीक्षा के बाद 20 मार्च को सामूहिक रूप से फूलदेई पर्व बनाने के निर्देश दिए हैं। इसमें शिक्षक व बच्चे भी प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा सीबीएसई व आईसीएसई बोर्ड वालों स्कूलों में भी फूलदेई पर्व मनाने को कहा गया है।

फूल देई छमा देई, जतुक देला, उतुक सई, फूल देई छमा देई...

उत्तराखंड का लोकपर्व फूलदेई गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री धामी ने भी सपरिवार धूमधाम से मनाया। सीएम धामी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री आवास में रंग बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने देहरी पर फूल व चावल बिखेरकर पारंपरिक गीत फूल देई छमा देई, जतुक देला, उतुक सई, फूल देई छमा देई, देड़ी द्वार भरी भकार गाते हुए त्योहार की शुरुआत की।

उत्तराखंड में भाजपा पांचों सीटों पर जीत का परचम लहराएगी: कोठारी

हल्द्वानी | **हमारे संवाददाता**

केंद्र एवं राज्य सरकार के सुशासन , ईमानदार छवि और राष्ट्र निर्माण में विकासोन्मुख एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुचाने की विचारधारा से काम करने वाली भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को लोकसभा चुनाव मे भारी बहुमत से विजय दिलाने के लिए सभी कार्यकर्ता जुट गए हैं और उत्तराखंड में भाजपा सभी पांचों सीटों पर चुनाव जीत का परचम लहराएगी। यह बात प्रेस वार्ता में प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने कही। उन्होंने कहा विकसित भारत के लिए भाजपा 400 पार का नारा साकार करना है । हल्द्वानी में भारतीय जनता पार्टी के कुमाऊं संभाग कार्यालय में प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने प्रेस वार्ता करते हुए आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर ग्रासरूट स्तर तक पार्टी की तैयारी के बारे में जानकारी दी।

आदित्य कोठारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की चुनावी तैयारी को देख विपक्ष घबरा गया है और विपक्ष के सभी प्रत्याशियों की जमानत जप्त होगी, इस तरह की तैयारी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता कर रहे हैं।

नैनीताल में 28वें होली महोत्सव का आयोजन

नैनीताल | **हमारे संवाददाता**

28वें होली महोत्सव के आयोजन की बुधवार को बैठक संपन्न हुई। इस दौरान बैठक में तय हुआ की एकादशी 20 मार्च से नयना देवी प्रांगण से शुरू होंगे होली के कार्यक्रम। वहीं युग मंच की पहल पर नयना देवी ट्रस्ट, नैनीताल समाचार, राम सेवक सभा एवं सहयोगी संगठनों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित कर होली आयोजनों को अंतिम रूप दिया गया है।

एकादशी पर नयना देवी मंदिर से रंग पड़ने के साथ खड़ी होली का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष होल्यार नागेंद्र जोशी के नेतृत्व में लड़ीधूरा सांस्कृतिक संस्था चंपावत की टीम तथा होल्यार रूपम सिंह गैडा के नेतृत्व में धौलादेवी अल्मोड़ा का होली के दल द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी व साथ ही मंदिर परिसर में महिलाओं द्वारा होली गायन किया जाएगा। 20 मार्च को अपराह्न में राम सेवक सभा प्रांगण में स्कूल के बच्चों के द्वारा होली गायन प्रस्तुत किया जाएगा। युग मंच की पहल पर 10 महिला दलों द्वारा होली एवं स्वांग प्रस्तुत किए जाएंगे।इस दौरान युग मंच के सचिव मनोज कुमार ने बताया कि खड़ी होली में वरिष्ठ होल्यार रूप सिंह गैडा को सम्मानित किया जाएगा तथा महिला होली में वरिष्ठ होलियार हंसी रावत और वरिष्ठ होलीयार दीपा जोशी को भी सम्मानित किया जाएगा। 21 मार्च को शारदा संघ तथा युग मंच द्वारा शारदा संघ में बैठक होली आयोजित की जाएगी। युग मंच के अध्यक्ष जहूर आलम ने बताया कि कुमाऊंनी बैठक होली में कुमाऊं के तमाम दिग्गज होल्यार शिरकत करेंगे तथा इस अवसर पर वरिष्ठ होल्यार मनोज पांडे और निर्मल पंत को सम्मानित किया जाएगा। 23 मार्च को नैनीताल समाचार द्वारा बैठक होली की जाएगी। राजीव लोचन साह ने बताया कि इस बार नैनीताल समाचार की होली में नवीन बेगाना को सम्मानित भी किया जाएगा।

इस दौरान चंद्र लाल साह, जीएल साह, प्रो. देवेन्द्र सिंह बिष्ट, माँ नयना देवी मंदिर ट्रस्ट के राजीव लोचन साह, हेमंत साह, घनश्याम लाल साह, प्रदीप कुमार साह, बसंत बल्लभ पांडे, मोहन चंद्र जोशी, विजय कृष्ण, डीके शर्मा, नवीन बेगाना, मनोज कुमार, भास्कर बिष्ट, हिमांशु पांडे, राहुल पडीयार, महिला संगठन की विजय लक्ष्मी थापा, मंजू रौतेला, विनोद पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड

प्रगति की ओर अग्रसर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखण्ड विशेषकर बद्रीनाथ और केदारनाथ के साथ गहरा संबंध है और उनकी यात्राओं और इन प्रमुख तीर्थ स्थलों के विकासकार्यों के लिए किए गए दूरदर्शी प्रयासों में साफ देखा जा सकता है

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम अपने राज्य के समग्र विकास, यहां की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य की प्रगतिशील नीतियों और रणनीतिक पहल के माध्यम से हम आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता को बेहतर की दिशा में अग्रसर हैं। हमारा लक्ष्य उत्तराखण्ड को प्रगति का एक मॉडल बनाना है जहां पर्यटन और नवीनता का संगम होता है और जहां हर व्यक्ति राज्य की समृद्धि और कल्याण के लिए कार्य कर विकास में योगदान देता है।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

बद्रीनाथ और केदारनाथ से मिल रहा आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा

सुरम्य उत्तरी राज्य उत्तराखण्ड अपने आध्यात्मिक महत्व और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां भक्तों और आगंतुकों को समान रूप से आकर्षित करने वाले विभिन्न स्थलों में से एक बद्रीनाथ और केदारनाथ है। यहां श्रद्धालु व भक्त शांति का अनुभव करने के लिए आते हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनर्स्थापित करने और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए यहां की संभावनाओं का सामने लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष रुचि दिखाई है। उनके दिशा-निर्देशन व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पूरी समर्पण और प्रतिबद्धता से उत्तराखण्ड में परिवर्तनकारी कार्यों पर विशेष बल दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखण्ड के बद्रीनाथ और केदारनाथ के साथ गहरा संबंध को हम सबने देखा है। यह बात उनकी यात्राओं और इन प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों के उत्थान के लिए दूरदर्शी प्रयासों से स्पष्ट झलकता है। बाबा केदार के प्रति उनकी श्रद्धा, केदारनाथ धाम की समय-समय पर यात्राओं के माध्यम से प्रदर्शित होती है। यह इस क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके समर्पण को भी उजागर करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वकांक्षा बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देकर उत्तराखंड को विश्व पटल पर लाने की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दृष्टिकोण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण है, जो प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की शुरुआत से ही उनके दिल के करीब रहा है। 2013 की विनाशकारी बाढ़ के बाद केदारनाथ के पुनरुद्धार की आवश्यकता पर उन्होंने जोर दिया।

उत्तराखण्ड के आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के साथ केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों ने उसके पूर्व गौरव को बढ़ा दिया है, जो दुनिया भर से तीर्थ यात्रियों को राज्य की ओर आकर्षित कर रहा है

ऐसे में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि पुनर्निर्माण ऐसा होना चाहिए, जिससे धाम की प्रतिभा और दिव्यता को पूर्ण रूप में प्रदर्शित किया जा सके। इसमें आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के निर्माण से लेकर प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन करने तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रणनीति केदारनाथ की पवित्रता बनाए रखने के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है।

इसके अलावा, उत्तराखण्ड के आध्यात्मिक बुनियादी ढांचे के समग्र विकास को धरातल पर उतारने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक प्रयास अब केदारनाथ और उसके आगे के क्षेत्रों तक फैल चुके हैं। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर बद्रीनाथ धाम मास्टर प्लान जैसी परियोजनाएं, बद्रीनाथ को एक स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी शहर में बदलने के प्रयास को दर्शाती है। दिल्ली-देहरादून आर्थिक कॉरिडोर और ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना भी इन पवित्र स्थलों तक कनेक्टिविटी और पहुंच में सुधार प्रधानमंत्री के समर्पण को उजागर करती है। इन प्रयासों के चलते उत्तराखण्ड में आध्यात्मिक पर्यटन और तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। ऑल वेदर रोड परियोजना, जिसे चारधाम सड़क परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, यह उत्तराखण्ड के चार धामों को जोड़कर भक्तों और आगंतुकों के लिए निर्बाध यात्रा को संभव बनाने वाली एक महत्वपूर्ण योजना है। इसी तरह से ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, अपनी उन्नतशीलता और सटल तकनीक के साथ केदारनाथ और आस-पास के क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार करने के लिए संकल्पित है। केदारनाथ और बद्रीनाथ का महत्व जितना आध्यात्मिक है, उतना ही यह अपनी प्राकृतिक सौन्दर्यता के लिए भी विश्व स्तर पर श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों के बीच स्थित केदारनाथ 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक के रूप में प्रसिद्ध है। यह प्रतिष्ठित चारधाम यात्रा का अहम पड़ाव भी है। यहां के आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के साथ जुड़े पुनर्निर्माण उपायों ने केदारनाथ को उसका पुराना गौरव पाने में मदद की है, जिससे दुनिया भर से तीर्थयात्री आकर्षित होकर यहां आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन से केदारनाथ में नए विकास पर बल दिया जा रहा है। आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के अनावरण से लेकर सरस्वती रिटेनिंग वॉल और तीर्थ पुरोहित घरों जैसी आवश्यक परियोजनाओं का उद्घाटन करने तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा उत्तराखण्ड की आध्यात्मिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए समर्पण का प्रतीक है। केदारनाथ के साथ उनका भावनात्मक जुड़ाव, उनकी सच्ची बातें श्रद्धालुओं बीच गूंजती हैं और इन धार्मिक स्थानों के महत्व को विस्तार देती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐसे उद्यमों का परिवर्तनकारी प्रभाव बुनियादी ढांचे के विकास से आगे बढ़ता है, जिससे उत्तराखण्ड में समावेशी विकास और पर्यटन को बल मिलता है। नीतिगत प्रोत्साहन और क्षेत्रीय प्राथमिकता, विशेष रूप से पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा पर उनके फोकस ने उत्तराखण्ड को निरंतर विकास करने वाले अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया है। बुनियादी ढांचे के विस्तार में राज्य की प्रगति और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के प्रति उनके समर्पण ने न केवल अर्थव्यवस्था को बल दिया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया है। बद्रीनाथ और केदारनाथ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अटूट आस्था ने उत्तराखण्ड में आध्यात्मिक पर्यटन के पुनरुद्धार को प्रेरित किया है। दूरदर्शी प्रयासों और नए विकास कार्यों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन धार्मिक स्थानों को पुनर्स्थापित कर समृद्धि और विस्तार के एक नए युग की शुरुआत भी की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं हाल के वर्षों में हासिल की गई अविश्वसनीय उपलब्धियों के लिए उत्तराखण्ड सरकार को हार्दिक बधाई देता हूं। यह सराहनीय प्रगति पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उन्नत क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ रणनीतिक दृष्टिकोण का उदाहरण भी प्रस्तुत करती है। बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार, सतत विकास के लिए बेहतर मानक स्थापित होते देखकर मुझे खुशी होती है। अपने प्राकृतिक संसाधनों और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तराखण्ड की रणनीति न केवल इसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर क्षमता को भी प्रदर्शित करती है। मैं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य के समर्पण की प्रशंसा करता हूं और आने वाले वर्षों में लगातार प्रगति की भी आशा करता हूं।

"मैं पिछले कुछ वर्षों में हुई उल्लेखनीय प्रगति के लिए उत्तराखण्ड सरकार को बधाई देता हूं। ऐसा निरंतर नीतिगत प्रोत्साहन, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने के चलते संभव हुआ है। इसके साथ ही, राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है और सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित किए हैं। प्राकृतिक संसाधनों के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की उत्तराखण्ड की प्रतिबद्धता ने न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। मैं समावेशी विकास के प्रति राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता की आशा करता हूं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर उभर रहा उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्ग दर्शन में उत्तराखण्ड दुनिया के सबसे बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशन में से एक बनकर उभर रहा है

देश के उत्तरी क्षेत्र में हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थित उत्तराखण्ड अपने आध्यात्मिक महत्व, सुंदर पहाड़ियों और समृद्ध संस्कृति के विरासत के लिए जाना जाता है। इसे देवताओं की भूमि या 'देवभूमि' के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि उत्तराखण्ड श्रद्धालुओं के लिए सबसे प्रतिष्ठित तीर्थ स्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है। हालांकि, राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव देखे हैं, जो इसे एक आध्यात्मिक गंतव्य के तौर पर विकसित कर रहे हैं। इसके साथ ही हाल के वर्षों में डेस्टिनेशन वेडिंग काफी ट्रेंड में रही है और इस दिशा में भी उत्तराखण्ड किसी से पीछे नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि उत्तराखण्ड डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए सबसे तेजी से उभरते राज्यों में एक बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ विवाह स्थल बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विचार राज्य की असीम संभावनाओं में उनके विश्वास को दर्शाता है। दिसंबर 2023 में देहरादून में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को 'वेड इन इंडिया' अभियान शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया था। इस दौरान उन्होंने संपन्न परिवारों से अपने विवाह के लिए उत्तराखण्ड को डेस्टिनेशन के रूप में

सांस्कृतिक विरासत के चलते उत्तराखण्ड एक आदर्श विवाह स्थल के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। नैनीताल की शांत झील से लेकर औली की बर्फ से ढकी पहाड़ियों तक राज्य का हर भू-भाग करिश्माई आकर्षण का अनुभव कराता है। जो लोग अपने विवाह को अविस्मरणीय अनुभव देना चाहते हैं वे अपने वैवाहिक समारोहों की मेजबानी टिहरी की शांत झील, मसूरी की खूबसूरत पहाड़ियों या हरिद्वार के प्राचीन मंदिरों में कर सकते हैं। ये बातें उत्तराखण्ड को शादियों के लिए एक अद्वितीय गंतव्य बनाती है।

यह न केवल इसके आश्चर्यजनक स्थल है, बल्कि इसकी समृद्ध विरासत और जीवंत संस्कृति भी है। राज्य में आयोजित होने वाली शादियां केवल एक समारोह से कहीं बढ़कर होते हैं। ऋषिकेश के आध्यात्मिक वातावरण से लेकर त्रियुगीनारायण की पवित्र ज्योति तक हर स्थान राज्य की सांस्कृतिक छवि की एक अनूठी झलक देखने को मिलती है। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी की धारणा एकजुटता के उत्सव से कहीं बढ़कर है। यह राज्य में डेस्टिनेशन वेडिंग को प्रोत्साहित करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और उत्तराखण्ड के लोगों के जीवन का स्तर बेहतर बनाने के लिए तत्पर है। इससे आगंतुकों की आमद और निवेश की संभावनाओं से रोजगार पैदा करने, बुनियादी ढांचे को समृद्ध बनाने और समग्र विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

डेस्टिनेशन वेडिंग के आयोजन के लिए उत्तराखण्ड में त्रियुगीनारायण, ऋषिकेश, जोशीमठ, शांति कुंज हरिद्वार, स्वर्ण मंदिर, चकराता, हर्षिल, देहरादून, कनाताल, मसूरी, औली, टिहरी झील, रामनगर, नरेंद्रनगर, बड़कताल, नैनीताल, अल्मोड़ा, रानीखेत, भीमताल, रामगढ़, मुक्तेश्वर, रानीगढ़, नौकुचियाताल, औरंगाबाद ताल आदि प्रसिद्ध स्थलों में शामिल है।

डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखण्ड को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण उन सभी चीजों को बढ़ावा देता है, जो इस राज्य को उन्नत बनाती है। उत्तराखण्ड पर्यटन के क्षेत्र में एक वैश्विक राज्य बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। यहां पर्यटक, रोमांच और उत्तम राज्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि उत्तराखण्ड सर्वोत्तम योगाभ्यास, रोमांचक खेल और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।

धार्मिक वैभव को पुनर्जागृत करता मानसखंड मंदिर माला मिशन

'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के हृदय स्थल के रूप में यहां के 48 पौराणिक मंदिरों को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित किया जा रहा है। इसमें कुमाऊं के विभिन्न जिलों में फैले 16 पौराणिक मंदिरों पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

उत्तराखण्ड कई प्राचीन मंदिरों और पवित्र स्थलों की भूमि है। यही कारण है कि यह देवभूमि के रूप में विश्वविख्यात है। ये मंदिर कुमाऊं क्षेत्र में फैले हुए हैं और लंबे समय से आस्था और भक्ति के प्रतीक के रूप में लोगों के दिलों में बसे हैं। यहां दुनिया के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं का आना लगा रहता है। उत्तराखण्ड की वादियों में स्थित ऐसे मंदिरों तक भक्तों और श्रद्धालुओं की पहुंच बनाने को लेकर धामी सरकार विशेष प्रयास कर रही है। प्रदेश के ऐसे कई धार्मिक स्थलों, जिनके बारे में भक्तों को ज्ञात नहीं है, उनकी भव्यता से साक्षात्कार कराने के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर करने की दिशा में काम किए जा रहे हैं। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन मंदिरों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को समझाते हैं और मंदिरों के वास्तुशिल्प चमत्कारों को पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने के लिए 'मानसखंड मंदिर माला मिशन' के तहत एक दूरदर्शी पहल शुरू की है। इस प्रयास का मूल 48 पौराणिक मंदिरों को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित करना है, जिसमें कुमाऊं क्षेत्र के विभिन्न जिलों में फैले 16 मंदिरों पर विशेष जोर दिया गया है। सैकड़ों वर्षों से आस्था का केंद्र रहे ये मंदिर अब बड़े परिवर्तन का साक्षी बनने को तैयार है, उनकी पहुंच और भव्यता में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे में विकास की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विजन केवल भौतिक नवीनीकरण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक समग्र रणनीति भी शामिल है, जिसमें उन्नत सड़क कनेक्टिविटी, आतिथ्य और आवास सेवाएं और संरक्षण जैसी बातें शामिल हैं।

गिरिजा देवी मंदिर

मानसखंड मंदिर माला मिशन के प्रतिष्ठित स्थलों तक सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि मानसखंड की परिकल्पना के तहत आने वाले जितने भी धार्मिक स्थल और पर्यटक स्थल हैं, उन्हें अच्छी कनेक्टिविटी देने पर हमारा ध्यान केंद्रित है। राज्य में तीर्थयात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने में निर्बाध परिवहन नेटवर्क की भूमिका अहम है। इन मंदिरों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। तीर्थयात्रा के दौरान सुविधा के साथ-साथ बेहतर सड़क व अन्य बुनियादी ढांचा के विकास से इन स्थलों में रहने वाले स्थानीय निवासियों के लिए भी आर्थिक संभावनाएं बनेंगी। पारंपरिक आध्यात्मिकता के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं का विकास मानसखंड मंदिर माला मिशन के लिए अहम है। मुख्यमंत्री धामी चाहते हैं कि यह कार्य सिर्फ बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से भक्तों और आगंतुकों को विशेष सुविधाएं प्रदान करना भी हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए आसपास के स्थानों के विस्तार और आतिथ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए बजट का आवंटन किया गया है और यह पर्यटकों के लिए एक अविस्मरणीय और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तराखण्ड सरकार की प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है। इस कार्य को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री धामी ने जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उनसे मानसखंड मंदिर माला मिशन के काम पर समर्थन मांगा। बैठक में उन्होंने मानसखंड मंदिर माला मिशन के उद्देश्यों और अनिवार्यताओं पर प्रकाश डाला। इस मिशन की सफलता में आवश्यक संसाधन जुटाने के उनके संकल्प को दर्शाया है। साथ ही, उत्तराखण्ड के आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बढ़ावा देने में भी इस पहल की महत्वता बढ़ने वाली है।

मानसखंड एक्सप्रेस

मानसखंड एक्सप्रेस मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत शुरू की जा रही एक विशेष ट्रेन सेवा है, जो कोलकाता को टनकपुर से जोड़ेगी। लंबी दूरी की इस ट्रेन की सेवा 15 अप्रैल से शुरू होने वाली है और यह कुमाऊं क्षेत्र के मंदिरों और देशभर के भक्तों के बीच एक मजबूत संबंध के रूप में कार्य करेगी। मानसखंड एक्सप्रेस स्थानीय और क्षेत्रीय परिवहन सेवाओं से युक्त होगी और आतिथ्य सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा, राज्य की विरासत और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए उत्तराखण्ड सरकार का अपने ऐतिहासिक स्थलों और मंदिरों के संरक्षण और उन्नति के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इसके लिए विरासत अधिनियम बनाने के उपाय किए गए हैं। मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत मान्यता प्राप्त 16 मंदिरों में से प्रत्येक के लिए अलग-अलग मास्टर प्लान तैयार किए गए हैं और इनके माध्यम से सरकार उनके संपूर्ण पुनरुद्धार कर रही है। एक सहकारी मिशन के तहत विभिन्न विभागों और प्रभागों का संगम इस प्रयास को आगे बढ़ा रहा है। जैसे-जैसे मानसखंड मंदिर माला मिशन गति पकड़ रहा है, यह न केवल धार्मिक स्थलों को पुनर्स्थापित करने बल्कि क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी सुनिश्चित कर रहा है। उत्तराखण्ड की परंपरा और आधुनिकता, आध्यात्मिकता और बुनियादी ढांचे के विस्तार का बेहतर संयोजन निश्चित रूप से उत्तराखण्ड के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन को दर्शाता है। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मानसखंड मंदिर माला मिशन, देश के भविष्य को आकार देने के लिए दूरदर्शी नेतृत्व की क्षमता का एक भी अप्रतिम उदाहरण है।

बैजनाथ

बागनाथ मंदिर

गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब

जागेश्वर धाम मंदिर

कसार देवी मंदिर

नागरिकता संशोधन अधिनियम: मिथक बनाम

उत्तरांचल दीप
सलीमखान, हल्द्वानी

भारत के विभाजन की पूर्व संध्या पर, यह आशा की गई थी कि भारत और पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यक नागरिकों को नागरिक अधिकार और सम्मान का जीवन मिलेगा। इसमें धर्म और परंपरा पर उनके अधिकार शामिल थे।

हालांकि, अफगानिस्तान, पाकिस्तान या बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं की गई। ऐतिहासिक नेहरू-लियाकत समझौते को दिल्ली समझौते के रूप में भी जाना जाता है, जिस पर 8 अप्रैल, 1950 को भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। इसमें कहा गया था कि अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को राजनीतिक या अन्य कार्यालयों में तैनात होने और अपने देश के नागरिक और सशस्त्र बलों में सेवा करने के लिए सार्वजनिक जीवन में भाग लेने का समान अवसर दिया जाएगा। दिल्ली समझौते में कहा गया कि वे अपनी धार्मिक प्रथाओं का पालन करने के लिए स्वतंत्र होंगे। भारत ने अपना वादा निभाया, लेकिन हमारे पड़ोसी अपने वादे निभाने में विफल रहे। पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों की जनसंख्या 22 से घटकर 7त्न हो गई है। वहीं, भारतीय अल्पसंख्यकों की आबादी 23 से 30 फीसदी तक बढ़ गई है।

सीएए की आवश्यकता

अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश भारत से सटे इस्लामिक मान्यता वाले देश हैं। अफगान संविधान का अनुच्छेद 2 इसे एक इस्लामिक राज्य बनाता है। इसी प्रकार बांग्लादेशी और पाकिस्तानी संविधान भी यही घोषणा करते हैं। भारत-पाकिस्तान की सीमा 3,323 किलोमीटर, भारत-बांग्लादेश की सीमा 4,096 किलोमीटर और भारत-अफगानिस्तान की सीमा 106 किलोमीटर है। हमारी भौगोलिक सीमा से सटे तीनों देशों की कानूनी व्याख्या अलग-अलग हो सकती है लेकिन ये एक तरह से इस्लामिक राज्य हैं।

मुस्लिम समुदाय को इस बात की आवश्यकता है कि वे विभाजनकारी ताकतों/तत्वों द्वारा फैलाई गई अफवाहों/फर्जी खबरों से प्रभावित न हों और किसी भी प्रकार की हिंसा में शामिल न हों।

-सूफी कौसर हसन मजीदी

रहने वाले मुसलमानों पर किसी भी धार्मिक आधार पर अत्याचार की उम्मीद नहीं की जा सकती। हालाँकि, उस राज्य के गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। यह अधिनियम भारत की भूमि सीमा से सटे इन तीन देशों के धार्मिक अल्पसंख्यकों की समस्या के समाधान के लिए लाया गया है।

-सूफी खानकाह एसोसिएशन, अध्यक्ष

यदि ऐसे प्रवासी नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 5 या तीसरी अनुसूची की शर्तों को पूरा करने के बाद नागरिकता प्राप्त करते हैं, तो उन्हें उस तारीख से नागरिकता दी जाएगी जिस दिन वे भारत में आए थे। कई शरणार्थी 31 दिसंबर 2014 से पहले आए हैं, उन सभी को उनके आने की तारीख से नागरिकता मिल जाएगी।

-मंसूर खान राष्ट्रीय अध्यक्ष, सूफी इस्लामिक बोर्ड

लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत विज्ञप्ति का दहन किया

नैनीताल। अपर शिक्षा निदेशक कार्यालय नैनीताल में रा0शि0 स0 कुमाऊं मंडल कार्यकारिणी द्वारा प्रधानाचार्य पद पर चयन हेतु शासन द्वारा विभागीय परीक्षा के माध्यम से विज्ञप्ति निकाले जाने के विरोध में लोक सेवा आयोग द्वारा निर्गत विज्ञप्ति का दहन किया गया।

संगठन के पदाधिकारी ने कहा कि प्रधानाचार्य पद पर शत प्रतिशत पदोन्नति की मांग की जाती रही है। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष गोकुल मलिया मंत्री रविशंकर गुबाई, प्रातीय संयुक्त मंत्री जगदीश विअनपद उपाध्यक्ष नैनीताल संगीता जोशी, ब्लाक अध्यक्ष गिरीश विष्ट, आंनद विष्ट, त्रिभुवन अग्रगामी पीडी बराड़ी, सानेखर पाण्डे, धर्मपाल गंगवार संगीत जोशी गीता मेहरा आदि शामिल थे।

नैनीताल बैंक को प्राइवेट हाथों में देने का विरोध तेज

नैनीताल
हमारे संवाददाता

लगातार प्रबंधन की उपेक्षा और बैंक के विनिवेश के नाम पर बैंक को निजी हाथों में देने के षड्यंत्र के विरोध में नैनीताल बैंक के अधिकारी और कर्मचारी कामकाज के दौरान हाथों में काली पट्टी बांधकर तथा कार्य समाप्ति पर शाखाओं के बाहर प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कर रहे हैं।

गौरतलब है कि पिछले कई वर्षों से नैनीताल बैंक के कर्मचारी नैनीताल बैंक को प्राइवेट हाथों में दिए जाने की बजाय लगातार नैनीताल बैंक को बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय करने की माँग कर रहे है। लोकसभा की याचिका समिति वर्ष 2018 में नैनीताल बैंक को बैंक ऑफ़ बड़ौदा में विलय करने के लिए अपनी संस्तुति दे चुकी है तथा वर्ष 2020 में पुन: अपनी चौथी रिपोर्ट के माध्यम से नैनीताल बैंक के बैंक ऑफ़ बड़ौदा में विलय संबंधित अपनी संस्तुति के क्रियान्वयन के लिए फाइनेंस मिनिस्ट्री को लिख चुकी है। बीते जनवरी माह में नैनीताल बैंक ऑफिसर यूनियन का एक शिष्टमंडल सांसद अनिल बलूनी के नेतृत्व में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से नैनीताल बैंक के बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय के सम्बंध में मिला था तथा तब वित्तमंत्री ने शिष्टमंडल की मांगों पर उचित कार्यवाही का भरोसा दिया था।

7 फरवरी 2024 को बैंक कर्मियों द्वारा 30 तारीख की हड़ताल का आह्वान किया गया है तथा 11 तारीख तक बैंक प्रबंधन की तरफ से कोई जवाब न मिलने पर 12 मार्च से असहयोग आंदोलन चलाया है। इसी क्रम में आज शाम कार्यसमिति के उपरांत बैंक के प्रधान कार्यालय, समस्त क्षेत्रीय कार्यालयों, तथा समस्त शाखाओं के बाहर प्रदर्शन व नारेबाजी की गई।

10 गांव में महिला दिवस का आयोजन

नैनीताल
हमारे संवाददाता

चेष्टा सस्ता नैनीताल द्वारा रामगढ़ ब्लॉक के करीब 10 गांव में महिला दिवस का आयोजन किया गया। प्रोग्राम मैनेजर बीना जोशी द्वारा बताया गया कि उनकी सस्ता द्वारा सिर्फ 8 मार्च को महिला दिवस ना बनाते हुए एक अभियान के तौर पर 8 मार्च से 13 मार्च तक यह अभियान गांव जाकर किया गया उनके द्वारा यह अभियान चलाने का मकसद यह भी है कि कुछ महिलाएं घर की काम और जिम्मेदारियां के कारण इस तरह के कार्यक्रम में नहीं आ पाती हैं तो सस्ता के द्वारा पहल की गई कि गांव-गांव में जाकर महिला दिवस की जानकारी और उद्देश्य बताएंगे उनके द्वारा बताया गया। अभियान के दौरान महिलाओं किशोरियों और युवतियो द्वारा रंगारंग कार्यक्रम भी किए गए और लोकगीत के माध्यम से अपनी आवाज जन जन तक पहुंचाने का प्रयास कर गया उनके द्वारा बताया गया कि इस प्रोग्राम को करने के लिए सहयोग नामक एनजीओ लखनऊ से उन्हें मदद दी जाती है जिसके लिए चेष्टा सस्ता उनका धन्यवाद देता है अभियान में पूजा ममता आयुष शर्मा कंचन बिष्ट नीम पूनम पायल पलक जमुना आदि लोग रहे।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

अब जंगलों में घूमने व पार्टी करने वालों पर विभाग की नजर

नैनीताल
हमारे संवाददाता

नैनीताल में फायर सीजन व जंगलों में आग की घटनाओं को देख अब वन विभाग चौकन्ना हो चुका है। जिसके चलते विभाग अब जंगल में घूमने वाले व सड़क किनारे जंगलों में पार्टी करने वाले लोगों पर नजर रख रहा है।

जंगल में कूड़ा फेंकने व आग लगाने वाले लोगों पर विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा। बता दें कि बीते नवंबर से ही नैनीताल के समीपवर्ती क्षेत्र के जंगल में आग लगने की घटनाएं होने लगी थी। लेकिन बीच में बारिश के चलते वन विभाग को थोड़ा राहत मिली। लेकिन उसके बाद फिर से जंगलों में आग लगने की घटनाए होने लगी हैं। बीते रोज भी अराजक तत्वों ने शाम को हनुमानगढ़ी के समीप गया। वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

वन क्षेत्राधिकारी मुकुल शर्मा ने बताया कि जंगलों में आग की घटनाओं पर उनकी नजर है । साथ ही जंगलों में बेवजह घूमने वाले व जंगलों में पार्टी कर आग लगाने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पकड़े जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

घर में चोरों ने की सेंधमारी, सामान व टोटी चुराए

नैनीताल। नगर के स्त्रोव्यू क्षेत्र में बीती रात चोरों ने मदन राम के घर में सेंधमारी कर दी। चोर घर के भीतर तो नहीं घुस सके, मगर बाहर रखा सामान और बाथरुम से टोटी तक चुरा कर ले गए। क्षेत्रवासियों ने क्षेत्र में बढ़ रही अपराधिक गतिविधियों पर रोकथाम के लिए पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग की है। मोहन राम ने बताया कि बुधवार सुबह जब वह घर से बाहर आए तो बाहर से बाल्टी, टब समेत सारा सामान गायब था। जहां जाकर देखा तो नल व टोटी भी गायब मिली।

ऑल सेंट्स कॉलेज में फेस्टिवल ऑफ मल्टिपल इंटेलिजेंस कैम्प सम्पन्न

नैनीताल
हमारे संवाददाता

प्रतिष्ठित ऑल सेंट्स कॉलेज में फेस्टिवल ऑफ मल्टिपल इंटेलिजेंस शिविर का बुधवार को सम्पन्न हो गया। समापन में छात्राओं ने विविध रंग दिखाए और जानकारियां हासिल की। विज्ञान, कला व आधुनिक तकनीक को लेकर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

शिविर में लर्निंग बाई डूइंग, पेंटिंग व कला के तहत दिल्ली के विशेषज्ञों ने बच्चों को अपने अंदर की प्रतिभा को निखारने के गुर सिखाए गए। इस अवसर पर ऐरोबीक्स व डांस कैंप मे शारीरिक समन्वय सीखा तो वहीं विज्ञान के चेन रिएक्शन कैंप में समस्याओं को हल करने की तकनीक और सरल मशीनों और उनकी कार्य क्षमताओं को जाना। इस अवसर पर दिल्ली की मनबीर बेदी, आँचल मल्होत्रा, नरेश झावर, खुशबू लामा, शलिनी तायल, रिया भुगरा, तारा चंद, मदन , हरप्रीत सिंह , अखिलेश व विद्यालय की शिक्षिकायएं मौजूद रहे। प्रधानाचार्य किरन जरमाया ने कहा कि छात्राओं की प्रतिभा निखारने के लिए इस तरह के आयोजन जरूरी है।

सीएचसी मुनस्यारी के दो वार्ड बने वातानुकूलित

नैनीताल/मुनस्यारी
हमारे संवाददाता

उत्तराखंड राज्य के हिमालय क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुनस्यारी राज्य का पहला चिकित्सालय बन गया है, जहां पर 4.35 लाख रुपए की लागत से नवजात शिशु तथा गर्भवती महिलाओं के लिए दो वार्ड वातानुकूलित बनकर तैयार हो गए है। 15 मार्च को दोनों वार्ड सीमांत तहसील के नवजात शिशु तथा गर्भवती महिलाओं को समर्पित कर दिया जाएगा।

चीन सीमा से लगा विकासखंड मुनस्यारी का यह क्षेत्र अत्यधिक ठंडा रहने वाले क्षेत्र के अंतर्गत आता है। जाड़ों में तो यहां का मौसम शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे रहता है। इस क्षेत्र में जून के तपिश के दौरान भी ठंड का एहसास होता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नवजात शिशुओं तथा गर्भवती महिलाओं को ठंड के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अत्यधिक ठंड के कारण नवजात शिशु निमोनिया के शिकार हो जाते है। इस परेशानी को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जिला योजना के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दो वार्डों को वातानुकूलित करने का प्रस्ताव रखा। मर्तोलिया का यह प्रस्ताव जिला योजना समिति को भाया और उसने 4.35 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत कर दी।

कार्यदायी संस्था मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पिथौरागढ़ ने वार्डों को इस राशि से वातानुकूलित बना दिया है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कुंदन कुमार ने बताया कि 15 मार्च को दोनों वार्डों को क्षेत्र के नवजात शिशुओं तथा महिलाओं को उद्घाटन करने के बाद समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड का यह पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है यहां नवजात गर्म हवाओं में नवजात पैदा होगा और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में गर्म हवाओं के बीच रहने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह का नवाचार जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया के दूर दृष्टि सोच के कारण साकार हुआ है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दोनों वार्ड बनकर तैयार हो गए है। आजकल वातानुकूलित का वार्डों का ट्रायल चल रहा है।

किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने पर दिया जोर

हल्द्वानी। सिम्स सेंट्रल हॉस्पिटल हल्द्वानी में किडनी स्वास्थ्य के प्रति प्रेस के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए हॉस्पिटल के डॉक्टर्स द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गयी। जिसमें वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. एच. एस भंडारी जी द्वारा बताया गया कि विश्व किडनी जागरूकता दिवस हर साल मार्च महीने के दुसरे गुरुवार को मनाया जाता है यह जागरूकता दिवस किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित किया जाता है। वरिष्ठ जनरल, लेज़र व लप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. संजय जुयाल जी द्वारा बताया गया की उम्र के साथ -साथ पेशाब से सम्बंधित समस्या लोगों में होने लगती है यह प्रोस्टेट बढ़ने की वजह से भी होता है इसका ईलाज भी अस्पताल में उपलब्ध है। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. रजनीश सेखसरिया जी द्वारा बताया गया की हमारे अस्पताल में इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी फिस्टुला बनाने की, परमाकैथ लाइन डालने की और डाइलिसिस के मरीजों के लिए समस्त प्रकार की नालियां डालने की सुविधा उपलब्ध है, इंटरवेंशनल नफ्रोलॉजी की सुविधा कुमाऊं में केवल सिम्स सेंट्रल हॉस्पिटल हल्द्वानी में उपलब्ध है।